**भारत सरकार**
**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय**
**उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग**
**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 3465**

**मंगलवार, 17 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**स्टार्टअप स्थापित करने के लिए सहायता**

**3465. श्री लुम्बा रामः**
**श्री दिलीप शइकीयाः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वर्तमान में चल रहे स्टार्टअप्स की राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार राजस्थान के जालौर सिरोही सहित देश के युवाओं को नए स्टार्टअप स्थापित करने के लिए किसी प्रकार की सहायता प्रदान कर रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) देश में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में स्टार्टअप्स द्वारा क्या भूमिका निभाई जा रही है;
(ङ) क्या स्टार्टअप्स आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और राज्यों को एक विशिष्ट पहचान प्रदान कर रहे हैं; और
(च) यदि हां, तो उत्तर पूर्वी राज्यों और राजस्थान सहित तत्संबंधी राज्यवार/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री जितिन प्रसाद)**

**(क) :** सरकार ने नवप्रयोग, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और देश के स्टार्टअप ईकोसिस्टम में निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु सुदृढ़ ईकोसिस्टम बनाने के उद्देश्य से 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत की।

सा.का.नि. अधिसूचना 127 (अ) दिनांक 19 फरवरी, 2019 के तहत उल्लिखित पात्रता शर्तों के अनुसार, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत कंपनियों को 'स्टार्टअप' के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है। दिनांक 31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, कुल 1,52,139 कंपनियों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। 31 अक्तूबर, 2024 की स्थिति के अनुसार डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों की राज्य/संघ राज्य (यूटी) क्षेत्र-वार संख्या **अनुबंध-I** में दी गई है।

**(ख) और (ग) :** स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, स्टार्टअप ईकोसिस्टम के विकास और वृद्धि के लिए तथा राजस्थान राज्य सहित पूरे देश में स्टार्टअप स्थापित करने हेतु युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार निरंतर विभिन्न प्रयास कर रही है।

प्रमुख स्कीमें, नामतः स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) और स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम (सीजीएसएस) स्टार्टअप्स को उनके व्यवसाय चक्र के विभिन्न चरणों में सहायता प्रदान करती हैं। सरकार, आवधिक कार्यों और कार्यक्रमों को भी कार्यान्वित करती है, जिसमें

राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग, राष्ट्रीय स्टार्टअप अवार्ड और नवप्रयोग सप्ताह शामिल हैं, जो स्टार्टअप ईकोसिस्टम के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बाजार तक पहुंच में सुधार लाने और स्टार्टअप्स को उनके व्यवसाय में वृद्धि और स्केलिंग-अप करने में सहायता प्रदान करके सार्वजनिक खरीद को सक्षम बनाने के लिए पहलें की गई हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे स्टार्टअप इंडिया पोर्टल और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (भास्कर), संसाधनों तक आसान पहुंच और स्टार्टअप ईकोसिस्टम सहयोग प्राप्त करने को संभव बनाते हैं। विनियामक सुधार और ईकोसिस्टम विकास के अन्य प्रयास और कार्यक्रम इन उपायों के लिए पूरक सिद्ध होते हैं।

इसके अलावा, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा युवा-केंद्रित पहलों की शुरुआत की गई है, जैसे मेरा युवा भारत (माई भारत) नामक स्वायत्त निकाय की स्थापना, जिसका उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ईएलपीएस), स्वयंसेवा के अवसरों, परामर्श कार्यक्रम इत्यादि के माध्यम से युवा विकास और युवा-नेतृत्व आधारित विकास के लिए प्रौद्योगिकी आधारित व्यापक व्यवस्थागत तंत्र प्रदान करना है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी) और भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए देश भर में कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है।

भारत सरकार के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार राजस्थान राज्य में 5,395 कंपनियों को डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। 31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, विशेष रूप से जालौर जिले से 12 कंपनियों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है और सिरोही जिले से 35 कंपनियों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

**(घ) से (च) :** सरकार के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप 31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत कुल 1,52,139 कंपनियों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियां, रोजगार सृजन और देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं तथा इनके द्वारा यह सूचित किया गया है कि इन्होंने 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्यों और राजस्थान राज्य की कंपनियों सहित स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों द्वारा (स्व-सूचित) सृजित प्रत्यक्ष रोजगारों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या **अनुबंध-II** में दी गई है।

*****

**अनुबंध-I**

**दिनांक 17.12.2024 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने के लिए नियत अतारांकित प्रश्न सं. 3465 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या निम्नानुसार है:

| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों की संख्या |
|---|---|

| | |
|---|---|
| अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 68 |
| आंध्र प्रदेश | 2,446 |
| अरुणाचल प्रदेश | 44 |
| असम | 1,434 |
| बिहार | 3,054 |
| चंडीगढ़ | 521 |
| छत्तीसगढ़ | 1,679 |
| दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव | 60 |
| दिल्ली | 15,645 |
| गोवा | 562 |
| गुजरात | 12,540 |
| हरियाणा | 7,961 |
| हिमाचल प्रदेश | 543 |
| जम्मू और कश्मीर | 942 |
| झारखण्ड | 1,425 |
| कर्नाटक | 16,093 |
| केरल | 6,173 |
| लद्दाख | 18 |
| लक्षद्वीप | 3 |
| मध्य प्रदेश | 4,913 |
| महाराष्ट्र | 27,014 |
| मणिपुर | 164 |
| मेघालय | 58 |
| मिजोरम | 40 |
| नागालैंड | 80 |
| ओडिशा | 2,670 |
| पुदुच्चेरी | 160 |
| पंजाब | 1,672 |
| राजस्थान | 5,395 |
| सिक्किम | 11 |
| तमिलनाडु | 10,053 |
| तेलंगाना | 7,918 |
| त्रिपुरा | 133 |
| उत्तर प्रदेश | 14,429 |
| उत्तराखण्ड | 1,217 |
| पश्चिम बंगाल | 5,001 |
| **कुल** | **1,52,139** |

*****

**अनुबंध-II**

**दिनांक 17.12.2024 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने के लिए नियत अतारांकित प्रश्न सं. 3465 के भाग (घ) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

स्टार्टअप्स के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों द्वारा 31 अक्तूबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार सृजित प्रत्यक्ष रोजगारों (स्व-सूचित) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या निम्नानुसार है:

| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों द्वारा सृजित प्रत्यक्ष रोजगारों (स्व-सूचित) की संख्या |
|---|---|
| अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 567 |
| आंध्र प्रदेश | 23,125 |
| अरुणाचल प्रदेश | 535 |
| असम | 13,460 |
| बिहार | 28,848 |
| चंडीगढ़ | 5,430 |
| छत्तीसगढ़ | 16,016 |
| दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव | 694 |
| दिल्ली | 178,798 |
| गोवा | 4,256 |
| गुजरात | 150,065 |
| हरियाणा | 103,026 |
| हिमाचल प्रदेश | 4,271 |
| जम्मू और कश्मीर | 7,769 |
| झारखण्ड | 12,590 |
| कर्नाटक | 186,352 |
| केरल | 54,420 |
| लद्दाख | 139 |
| लक्षद्वीप | 38 |
| मध्य प्रदेश | 50,887 |
| महाराष्ट्र | 304,078 |
| मणिपुर | 1,476 |
| मेघालय | 442 |
| मिजोरम | 332 |
| नागालैंड | 4,157 |
| ओडिशा | 32,360 |
| पुदुच्चेरी | 1,664 |
| पंजाब | 18,776 |
| राजस्थान | 55,229 |
| सिक्किम | 73 |
| तमिलनाडु | 106,768 |
| तेलंगाना | 89,173 |
| त्रिपुरा | 1,809 |
| उत्तर प्रदेश | 148,677 |

| | |
|---|---|
| उत्तराखण्ड | 10,539 |
| पश्चिम बंगाल | 50,680 |
| **कुल** | **16,67,519** |

*****